http://www.cbseboardonline.com

कक्षा – 7 | प्रथम ईकाई परीक्षा – 2015 – 2016 | पूर्णांक – 20
दिनांक – 12.05.15 | हिन्दी | समय – 45 मिनट

नोट : सभी प्र नों का उत्तर, उत्तर – पुस्तिका पर कीजिए।

I. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए। (½x2=1)

1. उपहास 2. त्वरित

II. निम्नलिखित भाषाओं की लिपियाँ लिखिए। (½x2=1)

1. संस्कृत 2. जर्मन

III. दो – दो पर्यायवाची शब्द लिखिए। (1x2=2)

1. कपड़ा 2. आकाश

IV. समान अर्थ प्रतीत होने वाले शब्दों के अर्थ लिखकर अन्तर स्पष्ट कीजिए। (2)

1. ईर्ष्या
   स्पर्धा
2. अनिवार्य
   आवश्यक

V. भाषा और बोली में अन्तर स्पष्ट दीजिए। (2)

VI. व्याकरण के आधार पर रिक्त स्थान भरिए। (½x4=2)

1. हिन्दी में _____ स्वर होते है।
2. अनुनासिक का उच्चारण _____ से होता है।
3. जब एक स्वर सहित व्यंजन अन्य स्वरसहित व्यंजन से मिलता है, तब वह _____ कहलाता है।
4. अनुस्वार और विसर्ग को _____ कहते हैं।

VII. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए। (2)

http://www.cbseboardonline.com

http://www.cbseboardonline.com

'' सेठ की ज़बान से बढ़कर कुछ भी नहीं है। ज़बान से ही बरकत होती है। ज़बान से पलट जाए वह आदमी कैसा?

VIII. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन – चार वाक्यों में लिखिए। (1½x2=3)

1. गिलहरी के बच्चों को ज़िन्दा रखने के लिए क्या – क्या प्रयास किए गए?
2. गिलहरी नेहरु जी की गोद में बैठकर क्या करती थी?

Cont'd-----2/-

IX. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक – एक वाक्यों में लिखिए। (½x4=2)

1. चौधरी के बेटे ने गाड़ी के कितने दाम बताए?
2. चौधरी के बेटे ने किस चीज़ से सेठ के हाथ पर रगड़ डाली?
3. यह किसने कहा कि गिलहरियों के बच्चे वृक्ष की टहनियों से गिर जाते हैं और इनकी माताएँ फुर्ती से नीचे आकर इन्हें पेड़ पर ले जाती हैं।
4. ''अब राजा कर्ण की बेला कौन झिक – झिक करे''। उपर्युक्त वाक्य किसने कहा?

X. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए। (3)

जब लोग त्रस्त हों, पराजित हों या शोकग्रस्त हों तभी उन्हें हमारी सहानुभूति – सहायता या प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है। उस समय उनका आत्मविश्वास लड़खड़ा जाता है। उस समय उनकी खिल्ली उड़ाने का या उनकी परेशानी का मज़ा लूटने का मोह हमें रोकना चाहिए और उन्हें सहारा देना चाहिए, उनकी हिम्मत बढ़ानी चाहिए। जो ऐसा करते हैं वे उनके हृदय में हमेशा के लिए स्थान प्राप्त करलेते हैं, अपनी लोकप्रियता की परिधि विस्तृत करते हैं। दुसरों के सुख – दुःख में सच्चे अंतः – कारण से दिलचस्पी लेना अच्छे संस्कार का लक्षण तो है ही, साथ ही व्यवहार कुशलता भी है जो लोगों को हमारी ओर आकर्षित

http://www.cbseboardonline.com http://www.a2zSubjects.com

करती है। हाँ, इसमें दिखावा, बनावटीपन और ऊपरी – ऊपरी शिष्टाचार नहीं, होना चाहिए। जो भावना सच्ची होती है, हृदय से निकलती है, वही हृदय को बाँध भी सकती है।

1. पराजित, शोकग्रस्त तथा त्रस्त लोगों को सहानुभूति तथा सहायता की आवश्यकता क्यों होती है?
2. किन लोगों की लोकप्रियता की परिधि विस्तृत होती है?
3. हमारा कौन सा व्यवहार लोगों को बाँध सकता है?

****